Resource: अध्ययन नोट्स - पुस्तक परिचय (टिंडेल)

Aquifer Open Study Notes (Book Intros)

This work is an adaptation of Tyndale Open Study Notes © 2023 Tyndale House Publishers, licensed under the CC BY-SA 4.0 license. The adaptation, Aquifer Open Study Notes, was created by Mission Mutual and is also licensed under CC BY-SA 4.0.

This resource has been adapted into multiple languages, including English, Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文).

अध्ययन नोट्स - पुस्तक परिचय (टिंडेल)

EST

एस्तेर

एस्तेर की गरीबी से अमीरी तक की कहानी एक ऐसी स्त्री की गाथा का वर्णन करती है जो बुद्धि, साहस और इच्छाशक्ति से भरपूर थी, और जिसने हजारों लोगों के जीवन को प्रभावित किया। एक प्रार्थना करने वाले समुदाय के समर्थन से, और परमेश्वर की अदृश्य योजना के माध्यम से कार्य करते हुए, एस्तेर ने अपनी भूमिका को स्वीकार किया और दूसरों को बचाने के लिए अपने जीवन को दांव पर लगा दिया।

पृष्ठभूमि

एस्तेर की पुस्तक फारस के राजा क्षयर्ष के शासनकाल के दौरान कि है (ई.पू. 486–465)। इससे पूर्व की पीढ़ी में (ई.पू. 538), लगभग 50,000 लोग बाबेल से यहूदिया लौट आए थे (एज्रा 1:1–5; 2:64–67)। परन्तु कई यहूदी परिवार, जिनमें एस्तेर का परिवार भी शामिल था, वहीं रह गए थे।

क्षयर्ष के शासनकाल के दौरान, फारसी साम्राज्य अपने चरम सीमा पर था। क्षयर्ष और उसकी सेना ने महान कार्य किए थे, जिसमें मिस्र पर निर्णायक विजय शामिल थी। करों से प्राप्त धन फारसी राजधानी शूशन में बह रहा था, और क्षयर्ष ने पर्सेपोलिस में एक भव्य नया महल बनाने का कार्य करवाया। हालांकि, क्षयर्ष एक अत्याचारी राजा था। एस्तेर उसके दरबार में प्रवेश कर उसकी रानी के रूप में चुनी गई। उन्हें संकट के समय में परमेश्वर और अपने लोगों की सेवा करने की चुनौती का सामना करना पड़ा, जबकि वह एक अन्यजाति राजा की विश्वसयोग्य पत्नी भी थीं।

सारांश

जब राजा क्षयर्ष ने फारस के प्रमुख हकीमों के लिए एक भव्य भोज आयोजित किया, तो रानी वशती ने अपनी सुंदरता दिखाने से इनकार कर दिया। इसलिए, क्षयर्ष ने उन्हें पदच्युत कर दिया और एक नई रानी की खोज शुरू की (1:1–2:4)। मोर्दकै की चचेरी बहन एस्तेर, जो एक यहूदी थीं, चुनी गईं (2:5–18)।

जब मोर्दकै राजमहल का अधिकारी बना, तब उनसे राजा के खिलाफ एक साजिश का पता लगाया और इसे एस्तेर के माध्यम से इसकी सुचना दी। बाद में, मोर्दकै ने क्षयर्ष के सबसे उच्च अधिकारी हामान को प्रणाम करने से इनकार कर दिया, तो हामान ने प्रतिशोध की भावना से पूरे यहूदी समुदाय के नष्ट करने की योजना बनाई (2:19–3:15)। जब यहूदियों का समाज प्रार्थना कर रहा था (4:16), तब एस्तेर ने अपने प्राणों को संकट में डालते हुए बिना बुलाए राजा के समक्ष जाने का साहस किया और राजा और हामान को एक भोज में आने के लिए आमन्त्रित किया (अध्याय 4)। इस बीच, हामान ने मोर्दकै को फांसी देने के लिए एक खम्भा बनवा लिया था (5:14)।

यह जानने के बाद कि मोर्दकै को हत्या की साजिश का पर्दाफाश करने के लिए कभी पुरस्कृत नहीं किया गया था, राजा ने आदेश दिया कि हामान एक जुलूस का नेतृत्व करें जो मोर्दकै का सम्मान करने के लिए आयोजित किया गया था, जो हामान के लिए घटनाओं का एक अपमानजनक मोड़ था (अध्याय 6)। फिर, भोज में, एस्तेर ने खुलासा किया कि हामान की साजिश उसके लोगों पर व्यक्तिगत हमला थी। हामान को उसी खम्भे पर लटका दिया गया, वह अपने ही बनाए फांसी के फंदे पर मृत्यु को प्राप्त किया (अध्याय 7)।

इसके बाद राजा क्षयर्ष ने यहूदियों को उनके दुश्मनों के खिलाफ अपनी रक्षा करने की अनुमति दी (8:1–14)। यहूदी प्रसन्न हुए, मोर्दकै को पदोन्नत किया गया, और हामान के पुत्रों को मार डाला (9:1–17)। यहूदियों ने अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त की और परमेश्वर की अद्भुत मुक्ति का उत्सव मनाया, जो आगे चलकर पहले पुरीम पर्व के रूप में स्थापित हुआ।

लेखक और तिथि

एस्तेर के पाठ में यह संकेत नहीं मिलता कि पुस्तक किसने लिखी या यह कब लिखी गई। कुछ प्रारम्भिक कलीसियाई पिताओं का मानना था कि एज्रा ने एस्तेर लिखी, परन्तु सिकन्दरिया के क्लेमेंस ने मोर्दकै का सुझाव दिया। चूंकि पुस्तक में कई फारसी शब्द हैं और कोई यूनानी प्रभाव नहीं है, यह पुस्तक सम्भवतः ई.पू. 460 (अर्थात्, क्षयर्ष के शासन के समापन के बाद) और ई.पू. 331 (अर्थात्, सिकन्दर महान द्वारा फारस पर विजय प्राप्त करने से पहले) के बीच लिखी गई थी।

शैली: इतिहास या कल्पना?

एस्तेर की पुस्तक एक जीवनी कथा है जो यूसुफ (उत्पत्ति 37–48) के वृत्तांत और रूत की पुस्तक के समान है। कुछ लोग इस वृत्तांत की ऐतिहासिकता पर सवाल उठाते हैं क्योंकि यह अविश्वसनीय लगता है कि (अ) एक फारसी राजा यहूदियों के

व्यापक संहार के लिए एक फरमान जारी करेंगे, (ब) यहूदी एक दिन में पचहत्तर हजार दुश्मनों का वध करेंगे, (स) एस्तेर जैसी गैर-फारसी रानी बनेगी, और (द) इतनी अधिक असंभाव्य संयोग घटनाएँ घटित हों होंगे।

दूसरी ओर, पुस्तक की ऐतिहासिक सटीकता का समर्थन किया जाता है क्योंकि (अ) पुस्तक में प्रामाणिक फारसी नाम, शीर्षक, और रीति-रिवाजों का उपयोग किया गया है; (ब) अन्य स्थानों पर भी परमेश्वर पर्दे के पीछे कार्य करते हुए असंभाव्य संयोगों का उपयोग अपनी महिमा के लिए करते हैं (उदा., उत 37–48; रूत 1–4); (स) एस्तेर ने अपनी पहचान यहूदी के रूप में छुपाई जब तक कि वह रानी नहीं बन गईं; और (द) राजा आमतौर पर अपने दुश्मनों के वध का विरोध नहीं करते, विशेषकर जब यह उनके सर्वोच्च अधिकारियों की सलाह पर किया जाए।

एस्तेर की पुस्तक के अतिरिक्त भाग

एस्तेर का इब्रानी पाठ एक मजबूत और सुसंगत इब्रानी हस्तलिपि परम्परा द्वारा परिभाषित है। फिर भी, तर्गुम और मिद्राश (इब्रानी पुराना नियम पर व्याख्या और टिप्पणी), यूनानी पुराना नियम, लातीनी वल्गेट, और जोसेफस (पहली सदी के रोमी यहूदी इतिहासकार) सभी में अतिरिक्त कहानियाँ शामिल हैं जो इब्रानी पाठ में नहीं हैं परन्तु बाद में रची गईं। ये अतिरिक्त कहानियाँ परमेश्वर का कई बार उल्लेख करती हैं, जबकि इब्रानी पाठ नहीं करता। किसी भी अतिरिक्त भाग में प्रामाणिक मूल जानकारी नहीं होती; कुछ केवल एस्तेर के इब्रानी संस्करण से जानकारी दोहराते हैं, जबकि कुछ जानकारी का विरोधाभास करते हैं। अन्य अतिरिक्त भाग बाद के लेखकों की कल्पना पर आधारित हैं। इन अतिरिक्त भाग को उनकी कालानुक्रमिक स्थिति में जोड़कर उन्हें कथा का एक प्रामाणिक हिस्सा बनाने के बजाय, जेरोम, जिन्होंने लातीनी वल्गेट का अनुवाद और संपादन किया, उन्होंने उन्हें पुराने नियम के अन्त में संकलित किया और इसे द्वितीयक बाइबलीय पुस्तकों (Deuterocanonical books) के रूप में संरक्षित किया, जो रोमन कैथोलिक और रूढ़िवादी (ऑर्थोडॉक्स) अनुवादों में शामिल हैं।

अर्थ और संदेश

हालांकि एस्तेर की पुस्तक में कभी भी परमेश्वर का उल्लेख नहीं किया गया है, इसका मुख्य उद्देश्य यह दर्शाना है कि परमेश्वर अपनी दिव्य योजना के अनुसार अपने लोगों की देखभाल करते हैं। परमेश्वर ने क्षयर्ष के नशे में अहंकार का उपयोग करके एस्तेर को प्रभावशाली स्थिति में पहुँचाया (अध्याय 1–2)। हामान की दुष्ट योजनाएँ यहूदियों को मारने की थीं, परन्तु वे अनोखी और विडंबनापूर्ण परिस्थितियों की एक श्रृंखला के माध्यम से उसी के सिर पर वापस आ गईं, और विनाश के दिन परमेश्वर के लोगों के लिए आनन्द का दिन बन गया। एस्तेर की पुस्तक हमें यह याद दिलाती है कि परमेश्वर अपनी योजना को पूरा करने के लिए लोगों और घटनाओं को अपनी दिव्य व्यवस्था के अनुसार निर्देशित करते हैं।